नम आंखों से सभी ने दी स्व. अजय बैरागी को भावभीनी श्रद्धांजलि



झाबुआ।'शहर के हृदय स्थल राजवाड़ा स्थित अति प्राचीन श्री राधाकृष्ण सरकार मंदिर में निवासरत परम् गौ.भक्त एवं श्री राधाकृष्ण भगवान के परम भक्त स्वण् महंत पंडित अजयदास बैरागी के स्वर्गवास पर बैरागी परिवार द्वारा आने वाली पीढ़ी को पुरानी कुरुतियो ;मृत्यु भोज, पगड़ी रस्म, कपडा प्रथाद्ध के बोझ से समाज में बदलाव लाकर पशु,पक्षियों और बेजुबानों के लिए परोपकार की जागृति के उद्देश्य से श्री राधाकृष्ण सरकार बैरागी परिवार द्वारा राजवाड़ा पर अनूठा एवं अनुकरणीय आयोजन किया गया। जिससे समाज में परिवर्तन लाने का भागीरथी प्रयास किया गया। राजवाड़ा पर मंहत मनीष बैरागी, हार्दिक बैरागी, ओजस्व बैरागी एवं समस्त श्री राधाकृष्ण सरकार एवं बैरागी परिवार द्वारा गोलोकवासी स्वण् मंहत अजय बैरागी को अश्रुपुरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मप्र शासन की कैबिनेट मंत्री एवं पेटलावद विधायक निर्मला भूरिया, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं झाबुआ विधायक डॉण् विक्रांत भूरिया, भील महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद गुमानसिंह डामोर, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, भाजपा मंडल झाबुआ अध्यक्ष अंकुर पाठक, सामाजिक महासंघ जिलाध्यक्ष डॉण् नीरजसिंह राठौर, समाजसेवी राधेश्याम परमार आदि सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्यजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों ने स्वण् बैरागी की तस्वीर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद सभी ने सामूहिक रूप से राजवाड़ा पर पशु,पक्षियों की सेवा करते हुए सभी को आहार करवाया एवं सभी युवाजनों ने स्वास्थ्य विभाग की टीम की सहायता से ब्लड डोनेशन किया।

युवा आपदा मित्र के द्वितीय बैच का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न



झाबुआ। मप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह विभाग, मप्र शासन भोपाल के निर्देशानुसार जिला झाबुआ में आयोजित युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय बैच का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अम्बा रिसोर्ट, बाड़कुआं झाबुआ में आयोजित किया गया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड विनोद ओशोगैतम के मार्गदर्शन में संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। सामाजिक महासंघ ने अपने उद्घोधन में कहा कि युवा आपदा मित्रों का प्रशिक्षण जिले के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्य अतिथि जिला खेल अधिकारी विजय सलाम ने युवा आपदा मित्रों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल और आपदा प्रबंधन दोनों में अनुशासन, शारीरिक क्षमता, मानसिक मजबूती, त्वरित निर्णय एवं टीम भावना का विशेष महत्व है।

'गायों के झुंड को मन्नतधारियों के शरीर के ऊपर से निकाला गया



झाबुआ।' शहर के आजाद चौक के समीप श्री गोवर्धननाथ मंदिर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 9 नवंबर, सोमवार शाम 4 बजे से गाय.गोहरी पर्व परंपरागत रूप से मनाया गया। गाय.गौहरी देखने के लिए शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ जमा हुई। मन्नतधारियों के शरीर के ऊपर से एक के बाद एक गायों के झुंड को निकाला गया। इसके पीछे गोवर्धननाथ मंदिर से जुड़े श्रद्धालुजन भजन.कीर्तन करते हुए शामिल हुए। करीब 2 दर्जन गायों को 5 से 6 मन्नतधारियों के शरीर के ऊपर से निकलने का क्रम 5 बार चला। इसके बाद श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर में श्री गोवर्धननाथ प्रभु के दर्शन किए गए। उल्लेखनीय है कि गाय.गौहरी पर्व को लेकर शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से लोगों की भीड़ बाजार सहित आयोजन स्थल पर दोपहर 3 बजे से ही जुटना शुरू हो गई थी। शाम 4 बजे तक आजाद चौक एवं श्री गोवर्धननाथ मंदिर परिसर में सैकड़ो की संख्या में लोग जमा हुए। आयोजन स्थल पर गायों को सजाकर ग्वाले एवं ग्रामीणजन लेकर आए। गायों के झुंड को बारी.बारी से मन्नतधारियों के शरीर पर से निकाला गया। एक के बाद एक मन्नतधारियों ने जमीन पर गोबर में लेटकर गायों को शरीर पर से निकालकर अपनी मन्नतों को पूरा किया। गायों के पीछे मंदिर से जुड़े भक्तजन श्गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो ण्ण्ण् के जयघोष के साथ बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर विशेष रूप से नगरपालिका अध्यक्ष कविता सिंगार, नपा उपाध्यक्ष लाखनसिंह सोलंकी, भाजपा खेल प्रकोष्ठ संयोजक शैलेष बिद्रु सिंगार, भाजपा जिला महामंत्री विजय चौहान, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष ओपी राय ,वं अजय पोरवाल, वरिष्ठ अभिभाषक उमंग सक्सेना, रोटरी क्लब अध्यक्ष डॉण् अंकित गुप्ता, श्री गोवर्धननाथ मंदिर के अधिकारी बृजबिहारी त्रिवेदी, मुखिया दीपेश बब्बू आचार्य, कीर्तन मंडली में पंडित रमेशचंद्र त्रिवेदी, ढोलक पर कान्हा अरोड़ा आदि सहित बड़ी संख्या में महिला.पुरुष एवं युवा भक्तजन भगवान की जयघोष लगाते हुए शामिल हुए। आयोजन स्थल पर जिला प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर चंदरसिंह सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर एवं तहसीलदार आयुषी बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपालसिंह महोबिया, एसडीओपी मोनिका सिंह्ण थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार भदोरिया, ट्रैफिक प्रभारी रोहित निकम आदि के नेतृत्व में प्रशासन एवं पुलिस सुरक्षा चाक.चौबंद रहीं।

दीपावली पर एक-दूसरे पर पटाखे फेंककर हुड़दंग करना पड़ा भारी

मनावर से बसन्त जाख्ती,(इंदौर समाचार) दीपावली का त्योहार खुशियों और आपसी सौहार्द का प्रतीक है, लेकिन त्योहार की आड़ में कुछ लोगों द्वारा लापरवाही और हुड़दंग करना आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया, जहां कुछ लोग आमने-सामने खड़े होकर पटाखे फोड़ रहे थे और एक-दूसरे के ऊपर पटाखे फेंक रहे थे। इस तरह की हरकत से किसी भी व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने की आशंका बनी हुई थी। मौके पर पुलिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए हस्तक्षेप किया और सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कार्रवाई की। पुलिस का उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि त्योहार के दौरान आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी अप्रिय घटना को रोकना था।

24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2553 वा निर्वाणोत्सव नगर श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया



सनावद(विजय गुप्ता) सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह के संदेश सृष्टा जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2553वां निर्वाणोत्सव नगर में पूरी श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सनावद सहित आसपास के तमाम जिनालयों में समाजजनों ने विशेष अनुष्ठान कर भगवान महावीर के चरणों में निर्वाण लाडू अर्पित किए और मोक्ष कल्याणक का पर्व मनाया। पर्व की शुरुआत नगर के प्रमुख जिनालयों में 'निर्वाण कांड' के पवित्र पाठ के साथ हुई। क्रमानुसार दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में भव्य निर्वाण पूजन का आयोजन किया गया, जहां समाजजनों ने उत्साह के साथ प्रथम निर्वाण लाडू चढ़ाया। इसके पश्चात, श्री सुपार्श्वनाथ जिनालय, खंडेलवाल आदिनाथ छोटा जैन मंदिर, श्रीमंदर जिनालय और महावीर जिनालय सहित नगर के सभी प्रमुख जैन मंदिरों में पूजन-अर्चन निर्माण लाडू अर्पित करने का दौर चला। केवल नगरीय सीमा ही नहीं, बल्कि आसपास के धार्मिक स्थलों–पोदनपुर, णमोकार धाम, मोरटक्का और सिद्धवरकूट में भी जिनालयों में भगवान महावीर को निर्वाण लाडू अर्पित किए गए।

कार्तिक कृष्ण अमावस्या का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व–धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान महावीर स्वामी को कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर पावापुरी से मोक्ष (निर्वाण) की प्राप्ति हुई थी। यही कारण है कि जैन धर्मावलंबी हर वर्ष इस तिथि पर विशेष आराधना करते हैं और जिनालयों में मोक्ष कल्याणक के प्रतीक स्वरूप निर्वाण लाडू अर्पित करते हैं।

क्या है 'निर्वाण लाडू' का आध्यात्मिक रहस्य?–जैन दर्शन के जानकारों के अनुसार, भगवान को लाडू चढ़ाने के पीछे एक गहरा दार्शनिक और आध्यात्मिक अर्थ छिपा है:

आत्मा और लड्डू की समानता:–जिस प्रकार लड्डू का आकार गोल होता है, उसका न कोई आदि होता है और न अंत, ठीक उसी प्रकार मानव देह में समाहित आत्मा भी अविनाशी है। आत्मा न कभी जन्म लेती है और न ही इसकी मृत्यु होती है।

तप और साधना का मार्ग–एक साधारण मिष्ठान्न को तैयार होने के लिए कई प्रकार की प्रक्रियाओं और परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। इसी प्रकार, मनुष्य को आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए जीवन की विषम परिस्थितियों–सर्दी, गर्मी, बरसात और हर मौसम में–समभाव (संतुलित मन) रखते हुए ईश्वर का स्मरण करना पड़ता है।

केवल ज्ञान की प्राप्ति: –कठिन तपस्या और साधना की लंबी अग्निपरीक्षा से गुजरने के बाद ही जीव को केवलज्ञान और अंततः मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी सर्वोच्च आध्यात्मिक अवस्था के स्मरण और सम्मान में भगवान महावीर को उनकी निर्वाण तिथि पर लाडू चढ़ाया जाता है।

जमीन पर लेटे मन्नतधारियों के ऊपर से गुजरा गायों का झुंड, नहीं आई एक भी खरोंच ! अनोखा गाय गोहरी पर्व ! मन्नत धारीयो की आस्था का पर्व



(लोकेश ब्राइट इन्दौर समाचार) धार। धार जिले के दरई में जमीन पर कतारबद्ध लेटे ग्रामीण, उनके ऊपर से तेजी से गुजरता सैकड़ों सजी-धजी गायों का झुंड और चारों ओर गूंजते जयकारे–यह रोंगटे खड़े कर देने वाला दृश्य धार जिले के ग्रामीण अंचल में देखने को मिला। अटूट आस्था और लोक संस्कृति के इस अनूठे संगम में गायों के खुरों के नीचे आने के बावजूद किसी भी व्यक्ति को मामूली खरोंच तक नहीं आई। पांच दिवसीय दीपोत्सव के चौथे दिन आदिवासी बाहुल्य धार जिले के दरई समेत विभिन्न ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक 'गाय गोहरी' पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह आयोजन सुबह 5 बजे से शुरू होकर दोपहर 12 बजे तक चला। इसमें मुख्य रूप से रघुवंशी और पाटीदार समाज के उन लोगों ने हिस्सा लिया, जिनकी कोई न कोई धार्मिक मन्नत पूरी हुई थी। आस्था के इस पर्व में मन्नतधारी जमीन पर लेटते हैं और उनके ऊपर से गायों के झुंड को निकाला जाता है। आयोजन की शुरुआत सुबह समाज के पटेल द्वारा मशाल लेकर घर-घर जाकर गायों को आमंत्रित करने के साथ हुई। इसके बाद सड़क किनारे एकत्र की गई गायों का लगभग आधे घंटे तक तेल और सिंदूर लगाकर विधिवत पूजन किया गया। पूजा के बाद सड़क पर लेटे श्रद्धालुओं के ऊपर से पटेल गायों को हांकते हुए निकालते हैं। सुरक्षा के लिहाज से पटेल और समाज के अन्य वरिष्ठ लोग हाथों में डंडा लेकर निगरानी रखते हैं, ताकि एक साथ बहुत अधिक गायें किसी व्यक्ति पर न आएं। मन्नत पूरी होने की कृतज्ञता ही इस कठिन परंपरा का मुख्य आधार है। स्थानीय निवासी रामप्रसाद परमार ने बताया कि उनके बेटे की तबीयत खराब थी, जिसके स्वस्थ होने की मन्नत पूरी होने पर वे गायों के नीचे लेटे। वहीं राहुल नामक युवक ने विवाह की मन्नत पूरी होने के उपलक्ष्य में इस अनुष्ठान में भाग लिया।

आस्था और लोक संस्कृति का आधार–क्षेत्र में सदियों से मान्यता है कि गाय गोहरी की इस परंपरा से गौमाता का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे गांव और परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि आती है। इसी विश्वास के चलते पीढ़ी-दर-पीढ़ी ग्रामीण अपनी मन्नतें उतारने के लिए इस जोखिम भरे अनुष्ठान को पूरे उत्साह से निभाते आ रहे हैं, जो क्षेत्र की मजबूत लोक परंपरा का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।



गोवर्धनपूजन कर मनाया गाय-गौहरी पर्व

अमझेरा- यहाँ दिपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसके तहत मान-मनत पूरी होने पर मनाये जाने वाला गाय-गौहरी पर नृसिंह दरवाजा मोहल्ले में कई मनतधारी युवक सैकड़ो गाय के सामने लेट गये जिनके उपर से गाय निकल गई फिर भी उन्हे कोई चोट नहीं पहुंची इसके बाद सभी मनतधारी युवको के द्वारा नृसिंह भगवान के दर्शन किये वहीं इसी के साथ यहाँ पाड़ा दंगल का आयोजन भी किया गया जिसके तहत नृसिंह दरवाजा और थाना परिसर के पीछे पाड़ा लड़ाई को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

क्लब कप्तान प्रहलाद बागुल ने नगरवासियों एवं टीम के सदस्यों को दी शुभकामनाएं, 11 नवंबर से ओपन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का होगा शुभारंभ

आजाद मैदान में चंद्रशेखर आजाद क्रिकेट क्लब ने उत्साह से मनाई दीपावली



खेतिया। नगर के आजाद मैदान में चंद्रशेखर आजाद क्रिकेट क्लब द्वारा दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं। आयोजन के माध्यम से आपसी भाईचारे, एकता एवं सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया गया। इस अवसर पर क्लब के कप्तान प्रहलाद बागुल ने समस्त नगरवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। साथ ही उन्होंने क्लब की पूरी टीम के सदस्यों को भी दीपावली की बधाई दी। क्लब द्वारा खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 11 नवंबर 2026 से आजाद मैदान में ओपन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया जा रहा है। प्रतियोगिता में महाराष्ट्र गुजरात मध्य प्रदेश राज्य सहित नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की विभिन्न टीमें सहभागिता करेंगी। आयोजन को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह देखा जा रहा है। वहीं इस अवसर पर वरिष्ठ क्रिकेटर नरेंद्र बाबुल, किशोर चौधरी, जावेद सर, कपिल शाहा, चैन सिंह गिरासे, नवीन मोरे,अश्विन सोनीस, प्रहलाद बागुल ,उमेश शिरसाठ, राजा सदाराव,वसीम मकरानी,मोंडरू,समीर, सहित सभी सदस्य उपस्थित थे।



पलसूद में धनगर समाज ने हर्षोल्लास से मनाया पडवा पर्व

पलसूद, (इंदौर समाचार) पलसूद नगर सहित अंचल में धनगर समाज ने परम्परागत तरीके से पडवा पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया। प्रातः काल से ही समाज के लोगों ने अपने घरों और बाड़ों में गौ-माता का विधि-विधान से पूजन किया, तिलक लगाकर माला पहनाई और गौ-माता को पकवान खिलाए। बुजुर्गों ने बताया कि पडवा पर्व धनगर समाज के लिए सबसे बड़ा पर्व है, इस दिन गौ-धन की पूजा से वर्ष भर सुख-समृद्धि बनी रहती है। इस अवसर पर समाज के युवाओं ने एक-दूसरे को पडवा की शुभकामनाएँ दीं और वरिष्ठजनों ने चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। समाज के *मुकेश धनगर ने बताया कि यह पर्व हमारी संस्कृति और गौ-सेवा का प्रतीक है। आज के दिन सभी बैल और गायों को सजाकर उनकी पूजा की जाती है। कार्यक्रम में समाज के राहुल धनगर, कमलेश धनगर, अमृत धनगर, विक्रम धनगर, शैलेंद्र धनगर अमृत धनगर जगदीश धनगर, राकेश धनगर, राधेश्याम धनगर, सहित बड़ी संख्या में युवा और उपस्थित रहे । अंत में सभी ने सामूहिक रूप से गाँव की खुशहाली की कामना की।

पानसेमल में दीपावली पर दिखी रौनक, बारिश की कमी ने कुछ प्रतिशत फीका किया व्यापार

पानसेमल से दिलीप निकुम पानसेमल में दीपावली का पर्व इस बार भी बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। धनतेरस और लक्ष्मी पूजन के दिन बाजारों में खासी रौनक नजर आई। लेकिन इस बार बारिश ने व्यापार पर असर जरूर डाला।



धनतेरस पर बाजार में लोगों की भीड़ उमड़ी। किराना दुकानों पर भारी भीड़ देखी गई। लोगों ने पूजन सामग्री, बर्तन और जरूरी सामान की जमकर खरीदारी की। इस दौरान मिठाई की दुकानों से भी लोगों ने जमकर मिठाई खरीदी। घरों के आंगन में रंगोली सजाई गई और दीपों को प्रज्ज्वलित किया गया। जिससे पूरा पानसेमल नगर रोशनी में नहाया नजर आ रहा था। घरों पर रंग-बिरंगी लाइटिंग भी आकर्षण का केंद्र बनी रही। रात को लक्ष्मी पूजन के बाद लोगों ने स्वादिष्ट व्यंजन बनाए और परिवार सहित गगनभेदी आतिशबाजी की। सोना-चांदी के व्यापार में इस बार गिरावट दर्ज की गई। ज्वेलर्स व्यापारी कैलाश सोनी ने बताया कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार सोना-चांदी का व्यापार करीब 30 प्रतिशत कम हुआ है। किरण सोनी ने भी इसी बात की पुष्टि की। वहीं बर्तन व्यापार पर बारिश का असर कम रहा, व्यापार टिका रहा। व्यापारी *प्रकाश जी जैन* ने कहा कि मक्के का अच्छा भाव मिलने के बाद बाजार में रौनक बढ़ी , लेकिन बारिश के कारण व्यापार कुछ कमजोर रहा । ऑटो सेक्टर के लिए यह दीपावली लाभदायक रही। ऑटो सेक्टर के दिनेश चौधरी ने बताया कि इस बार ऑटो सेक्टर का व्यापार पिछले वर्ष के मुकाबले कुछ प्रतिशत अच्छा रहा। बारिश का ऑटो सेक्टर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। सभी टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर शोरूम पर लोग गाड़ियां खरीदते नजर आए। फूलों के व्यापार में भी इस बार कमी देखी गई। फूल व्यापारी गोपाल महाजन ने बताया कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार फूल कम बिके। इस बार नगर में फूलों की दुकानें भी बढ़ गई थीं,